

जैन विद्या के आयाम भाग-२ पं. बेचरदास दोशी स्मृति ग्रन्थ(फोल्डर नं.  
००१६८२)

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

Prefatory

विषय-सूची

१. पुण्यात्मानां स्वर्गीय-पण्डित बेचरदास महोदयानां पुण्यस्मरणम् – उपाध्याय अमरमुनि-----	१
२. ज्ञानज्योति पण्डितजी – आ. विजयेन्द्रसूरि -----	३
३. सात्त्विक सुजन पण्डित – मुनि शीलचन्द्रविजय-----	४
४. श्रुतदेवताना परमोपासक – महत्तरा श्रीमृगावतीश्रीजी -----	५
५. पण्डितप्रवर बेचरदासजी – मधुसूदन ढांकी -----	६
६. पण्डितप्रवरने वन्दना – कानजीभाई पटेल -----	७
७. पं. बेचरदासजी विरचित, संपादित तथा अनुवादित ग्रन्थो अने लेखोनी सूचि – सलोनी जोषी -----	१३

गुजराती विभाग

८. भगवतीसूत्र अने अन्य आगमोनुं सम्पादन – दलसुभ मालवशिया -----	२३
९. भगवान महावीरनी धर्मकथाओ अने भगवान महावीरना दश उपासको – रमणीक शाह -----	२४
१०. जिनागमकथासंग्रह – कानजुभाई पटेल -----	२७
११. सिद्धहेमशब्दानुशासन अने मलयगिरिशब्दानुशासन – जयदेवभाई शुक्ल -----	३२
१२. प्राकृत व्याकरणो – के. आर. यन्त्र -----	४१
१३. देशीनाममालानो अनुवाद तथा अध्ययन – हरिवल्लभ भायाणी -----	४७
१४. गुजराती भाषानी उत्क्रांतिनो दस्तावेजो आलेख – जयन्त कोठारी -----	५०
१५. जैनदर्शन अनुवाद ग्रन्थनो परिचय – नगीन ज. शाह -----	५३
१६. महावीर-वाणी – कुमारपाल देसाई -----	५६
१७. भारतीय दर्शनोमां मोक्षविचार – नगीन जे. शाह -----	५८
१८. ज्ञानस्वरूप-परामनोवैज्ञानिक दृष्टिबिन्दु - डॉ. नारायण म. कंसारा -----	७४
१९. रस-मीमांसांमां अनुयोगवैज्ञानिक दृष्टिबिन्दु -----	८२
२०. मेटेडर उपचार अने ध्वनि – रमेश बेटाई -----	८२
२१. जैन अंग आगममां पूजा शब्दनो अर्थ – दलसुभ मालवशिया -----	१०५
२२. आगमगच्छीय आं जिनप्रभसूरिकृत सर्व-चैत्य-परिपाठी स्वाध्याय – रमणीक शाह -----	१०८
२३. ज्ञानचन्द्रकृत संस्कृत-निबद्ध श्रीरैवततीर्थ स्तोत्र – स्व. अजरयन्त नाहटा अने मधुसूदन ढांकी -----	११३

२४. श्री विजयचन्द्रसूरिविरचित श्री रैवताचल चैत्यपरिपाटी स्तवन- पं. बाबुभाई	
सवयन्ट शाह -----	११५
२५. जयतिलकसूरि विरचित श्री गिरनार चैत्य प्रवाडी- स्व. अगरचन्ट नाइटा, मधुसूदन	
ढांकी -----	१२३
२६. गिरनार येत्तप्रवाडि - विधात्री वोरा -----	१२८
२७. श्री गिरनार येत्त परिवाडी - मधुसूदन ढांकी, विधात्री वोरा -----	१३३
२८. विधात्री वोरा - गिरनार चैत्य प्रवाडि विनति -----	१४१
२९. अज्ञातकर्तृक नेमिनाथ भास - विधात्री वोरा -----	१४६
३०. कवि केशवकृत नेमिनाथ झग - कनुभाई व. शेठ -----	१५०
३१. अज्ञात कर्तृक श्री गिरनार चैत्य परिपाटी रास - विधातर्ी वोरा-----	१६७
३२. रंगसारकृत गिरनार चैत्यपरिपाटी - स्व. अगरचन्ट नाइटा, पं. बाबुभाई सवयन्ट	
शाह -----	१७१
३३. कर्णसिंहकृत गिरनारस्थ भरतरवसही गीत - मधुसूदन ढांकी -----	१७५
३४. जूनागढनी अम्ाबिकादेवीनी धातुप्रतिमानो लेख - लक्ष्मणभाई भोजक -----	१७८
३५. उज्जयन्तगिरिनो अेक ढखित अप्रकाशित प्रशस्तिलेख - लक्ष्मणभाई भोजक -----	१८०
३६. उज्जयन्तगिरिना केटलाक अप्रकट उत्कीर्ण लेखो - मधुसूदन ढांकी, लक्ष्मण भोजक -----	१८३
३७. उज्जयन्तगिरिना पूर्व प्रकाशित अलिलेखो विषे - मधुसूदन ढांकी, लक्ष्मण भोजक -----	१८२
३८. उज्जयन्तगिरिनी भरतर वसही - मधुसूदन ढांकी -----	२१२
३९. गिरनारस्थ कुमारविहारनी समस्या - मधुसूदन ढांकी-----	२२३
४०. पालिताशा-कल्पसूत्रनी जैन चित्रकला पर विशेष प्रकाश - मुनि शीलचन्द्र विजय-----	२२७

#### हिन्दी विभाग

१. आचारांग के प्रथम श्रुतस्कन्ध में स्वीकृत कुछ पाठोंकी समीक्षा - के. आर. चन्द्र -----	१
२. रामपुत्र या रामगुप्त - सूत्रकृताङ्ग के सन्दर्भ में - सागरमल जैन, मधुसूदन ढांकी -----	८
३. जैन दार्शनिक साहित्य में ज्ञान और प्रमाण के समन्वय का प्रश्न - कानजीभाई पटेल -----	१२
४. जैन सप्तभङ्गी-आधुनिक तर्कशास्त्र के सन्दर्भ में - भिखारी राम यादव -----	२०
५. जैन एवं बौद्ध तत्त्वमीमांसा-एक तुलनात्मक अध्ययन - भागचन्द्र जैन भास्कर -----	३०
६. श्वेताम्बर जैन साहित्य की कुछ अनुपलब्ध रचनायें - मधुसूदन ढांकी -----	६२
७. क्या बोटिक दिगम्बर हैं - दलसुख मालवणिया -----	६८
८. पूर्व मध्यकालीन भारतीय न्याय एवं दण्ड व्यवस्था - झनकू यादव -----	७४
९. आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती की खगोलविद्या एवं गणितसंबन्धी मान्यताएँ -	
आधुनिक सन्दर्भ में - लक्ष्मीचन्द्र जैन -----	८२
१०. देवलधर्मसूत्र में ऐश्वर्यों का विवरण - लल्लनजी गोपाल -----	९८
११. जैन संघ में भिक्षुणियों की शील-सुरक्षा का प्रश्न - अरुण प्रताप सिंह -----	१०५

१२. प्रबन्धचिन्तामणि का एक अचर्चित प्रबन्ध – शिव प्रसाद -----	१११
१३. अञ्चलगच्छीय आचार्य मेरुतुङ्ग एवं उनका जैनमेघदूत काव्य – रविशंकर मिश्र -----	११३
१४. ब्रह्मशान्ति यक्ष – मारुतिनन्दन तिवारी -----	१२६
१५. जैनागम साहित्य में स्तूप – सागरमल जैन -----	१३२

#### English Section

1. Jaina Religion – Its Plea, Practice and Prospects – A S Gopani -----	1
2. Ethical Philosophy of Kundakunda – K G Sogani-----	6
3. Some Problems of Translating Early Jaina Texts – B K Khadabadi-----	12
4. Gatha Muktavali – A newly Discovered Recension of Hala’s Sapta – Sataka – H C Bhayani -----	16
5. Buddhisagarsuri’s Linganusasana with Auto-Commentary – N M Kansara -----	38
6. The Sardipika and the Sarabodhini – T S Nandi -----	48
7. Jayarasi’s Criticism of Verbal Testimony – J M Shukla -----	57
8. Abhinavgupta’s Ideas in Locana on the Nature of Beauty of Kavya – V M Kulkarni -----	70
9. Pali, Dhanya and Carukesi – H C Bhayani -----	80
10. The Fresh Reading & Interpretation of Pancasara Parsvanatha Temple Inscription – A K Singh-----	86
11. Jaina Sculptures in Bharata Kala Bhavan – Giri, Kamal -----	89
12. The Vimala Period Sculptures in Vimal-Vashi – M A Dhaky -----	96
13. Gambhirpur Rock Paintings – R G Hajarnis -----	101
14. Units of Length in Jaina Canons – N L Jain-----	104